65	वस्वास्थ्ये वात्तमनामयम् । इ कुल्लाकः	82
66	सक्तार्गिय न मुहार है विग्रामान	83
67	परूष्ट्याधवार्त्तकल्यास्तु नीरुति ॥ ४७४ ॥ । । ।	48
68	कुसृत्या विभवान्वेषी पार्श्वकः संधितीवकः।	58
69	सत्कृत्यालंकृतां कन्यां या ददाति स कूकुदः ॥ ४७५ ॥	
70	चपलिश्चकुरा	87
71	सम्बद्धाः वार्यकाः क्रिमास्तु स्थिर्सीवृद्धाः वार्यकाः वार्यकाः	88
72	तता कृरिद्रारागा जन्यः	68
73	सान्द्रस्मिग्धस्तु मेड्रः ॥ ४७६ ॥	06
74	गेलेनर्री गेलेश्रारा पिएडीश्रीरा निवाद क्रियानिकानिका	16
75		92
76		93
77		46
78		95
79		96
80		26
81	उपाध्यभ्यागारिका तु कुरुम्बव्यापृते निर् ॥ ४७८ ॥	98
	65. 66. Gesundheit (5 W.). — 67. Gesund (5 W.). — 68.	Der

65. 66. Gesundheit (5 W.). — 67. Gesund (5 W.). — 68. Der durch Betrug dem Gewinne nachgeht (2 W.). — 69. Derjenige, welcher seine Tochter gut ausgestattet dem Schwiegersohn übergiebt, nachdem er denselben ehrenvoll empfangen hat. — 70. Unbesonnen (2 W.). — 71. Beständig in der Liebe. — 72. Wankelmüthig in der Liebe. — 73. Ueberaus liebenswürdig (2 W.). — 74. Feiger Prahler, Fanfaron (3 W.). — 75. Begütert (2 W.). — 76. Menschenhasser. — 77. 78. Unglücklich. — 79. Unglück (3 W.). — 80. Zärtlich (2 W.). — 81. Mit Eifer für die Unterhaltung der Fa-